

CBSE Class 10 English Tea from Assam Summary

Tea from Assam Summary in both english and hindi is available here. This article starts with a discussion about the author and then explains the chapter in short and detailed fashion. Ultimately, the article ends with some difficult words and their meanings.

Short Summary of Tea from Assam

The lesson is about two friends- Pranjol and Rajvir who are travelling to Pranjol's hometown Assam for the summer vacation. Assam is known as the 'tea country'. It has the largest concentration of plantations in the world. During their journey they discuss about the various 'legends' that are known to have discovered tea. The story tells us about the popularity of tea as a beverage.

Summary of Tea from Assam in English

Pranjol and Rajvir are class-fellows in Delhi. The parents of Pranjol are living in Assam. Pranjol's father is a manager of a tea-garden in upper Assam. So Pranjol has invited Rajvir to visit Assam during the summer vacation. Both are in a train journey.

When the train stopped, the vendor called out '*Chai garam... garam... chai*'. Pranjol ordered for two cups of tea. Other passengers were also sipping tea in the compartment. Rajvir told that over eighty crore cups of tea are drunk daily in the world. The train proceeded onwards.

When they were traveling, they came to view a magnificent sight of tea bushes. There were tea plants like the stretch of the sea. They saw the tea plants in orderly rows and a smoke was coming out from a tall chimney of an ugly building. Rajvir was excited to see the tea-garden. Pranjol told that it is a tea country. Rajvir told some legends about tea.

There is a story of the Chinese emperor. He always boiled water before drinking. One day while boiling the water, a few leaves of the twigs fell into the water. It gave a delicious flavour. It is said that they were the tea-leaves.

According to one legend there was an ancient Bodhidharma, an Buddhist ascetic. He felt asleep while meditating. He did not like it and cut off his eyelids and threw them on the ground. Ten tea plants grew out of the eye-lids. When their leaves were put in hot water, the drink removed sleep.

Rajvir told that tea was first drunk in China. 'Chai' and 'chini' are from China. It was in the sixteenth century that tea came to Europe. That time it was used as medicine. Then the train reached into Mariani junction. The boys collected their luggage.

Pranjol's parents took them in a car towards Dhekiabari. It was Pranjol's father's tea-garden. There were tea bushes on both sides of the road. Women were plucking the tea leaves in bamboo baskets. May to July are the best months of tea yielding.

Summary of Tea from Assam in Hindi

यह दृश्य एक ट्रेन स्टेशन पर सेट किया गया है जहां एक चाय विक्रेता दो दोस्तों से पूछता है कि क्या वे कुछ ताज़ी बनी गर्म चाय खरीदना चाहते हैं। वे तय करते हैं कि दो कप चाय लगभग सभी को अपने डिब्बे में शामिल करनी है। इसके साथ, प्रांजोल ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि "दुनिया भर में हर रोज लगभग अस्सी करोड़ कप चाय पी जाती है" जबकि राजवीर यह सुनकर आश्चर्यचकित रह जाते हैं। दरअसल, चाय दुनिया भर में एक लोकप्रिय पेय है।

जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ने लगी, प्राणजोल अपनी जासूसी किताब पढ़ने में व्यस्त हो गया। दोनों दोस्त जासूसी किताबों के बहुत बड़े प्रशंसक थे, लेकिन राजवीर ने इस समय प्राकृतिक सुंदरता को देखना पसंद किया। चारों तरफ हरियाली थी, ऐसा कुछ राजवीर ने पहले कभी नहीं देखा था। हरे धान के खेतों के बाद, चाय बागान आए। जहाँ तक वह देखने में सक्षम था, केवल चाय की झाड़ियाँ ही इतनी दिखाई देती थीं कि कथावाचक इसकी तुलना चाय की झाड़ियों के 'समुद्र' से करते थे। पृष्ठभूमि में, घने जंगलों वाली पहाड़ियाँ थीं। चाय के बागानों के बीच में ऊँचे और मजबूत पेड़ों की क्रमबद्ध पंक्तियाँ थीं जो हवा के कारण हिल रही थीं। यह एक अद्भुत दृश्य था।

जैसे-जैसे ट्रेन आगे बढ़ रही थी, अगले राजवीर ने देखा कि एक बदसूरत दिखने वाली इमारत थी जिसमें से धुआं निकल रहा था। यह एक चाय का बाग था! राजवीर उत्साहित हो गए लेकिन प्रांजोल जिन्होंने बचपन में यह सब देखा था उनके दोस्त के उत्साह के स्तर से मेल नहीं खाते थे। प्रांजोल ने उन्हें बताया कि वे असम में प्रवेश कर चुके हैं, जिसे 'चाय देश' के रूप में जाना जाता है। राज्य में दुनिया में सबसे अधिक चाय बागान हैं।

चाय के देश का दौरा करने से पहले, राजवीर ने चाय के बारे में बहुत कुछ पढ़ा और यह कैसे पता चला। कई सिद्धांत थे और उनमें से एक चीनी सम्राट के बारे में था जिन्हें उबला हुआ पानी पीने की आदत थी। एक बार जब वह उस पानी को उबाल रहा था, तो कुछ पत्ते उसमें गिर गए और उसे स्वादिष्ट चखा। कहा जाता है कि वे पत्ते चाय की पत्ती थे।

प्रांजोल द्वारा पूछे जाने पर, राजवीर ने बोधिधर्म नामक एक भारतीय कथा के बारे में एक और कहानी बताई। वह एक बौद्ध भिक्षु था जिसने अपनी पलकें काट ली थीं क्योंकि वह ध्यान करते समय नींद महसूस करता था। आखिरकार, चाय के पौधे उसकी पलकों से बाहर आ गए जो पानी के साथ उबालने के बाद खाने से नींद से छुटकारा पाने में मदद करते थे। इसके अलावा, राजवीर ने कुछ तथ्यों पर प्रकाश डाला जिसमें कहा गया था कि चाय 2700 ई.पू. और चीन में पहली बार खपत की गई थी। ऐसे सभी शब्द जैसे 'ची' और 'have चीनी' की उत्पत्ति चीनी भाषा से हुई है। यूरोप में चाय की शुरुआत काफी देर से हुई थी- सोलहवीं शताब्दी में जहां इसे औषधीय गुणों वाला माना जाता था।

ट्रेन रुक गई थी और लड़के अपने गंतव्य पर पहुँच गए जहाँ उन्होंने अपना सामान इकट्ठा किया और केवल एक प्लेटफॉर्म खोजने के लिए ट्रेन में चढ़ गए जो बहुत भीड़ थी। प्रांजोल के माता-पिता उन्हें रिसीव करने आए थे। लगभग एक घंटे के बाद, वे ढेकियाबारी, प्राणजोल के चाय बागान पहुँचे और एक मवेशी-पुल के माध्यम से अपना रास्ता बना लिया।

उनका चाय बागान जमीन के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ था। सभी झाड़ियों को एक ही ऊँचाई पर काटा गया था और उनकी देखभाल की गई थी। खेतों पर, चाय की थैलियों को एक एप्रन पहने और बांस की टोकरियों को ले जाते हुए देखा गया था ताकि ताज़े अंकुरित पत्तों को डुबोया जा सके।

खेतों के रास्ते में, प्रांजोल के पिता ने एक ट्रैक्टर को रास्ता दिया जो चाय की पत्तियों से भरा हुआ था। इसे देखते हुए, राजवीर ने अपने ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वर्ष का दूसरा अंकुरण काल है जो मई से जुलाई तक रहता है और उत्कृष्ट उपज देता है। प्रांजोल के पिता, जो प्रभावित लगते हैं, जवाब देते हैं कि लगता है कि उन्होंने आने से पहले बहुत शोध किया है। प्रांजोल, जो अद्भुत पेय के बारे में अधिक जानने के लिए उत्साहित थे, उसी के लिए अपना इरादा दिखाया।